



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



‘चित्र’ और ‘चिड़िया’ कहानियां मानवता को आवाज देती हैं : प्रो. कुमुद शर्मा

आवासीय लेखिका डॉ. क्षमा कौल की कहानी ‘चित्र’ और विद्यार्थी खुशाल सिंह की ‘चिड़िया’ का हुआ पाठ

वर्धा, 30 दिसंबर 2025: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के 29 वें स्थापनोत्सव के अवसर पर सोमवार, 29 दिसंबर को गालिब सभागार में कश्मीरी एवं हिंदी की प्रख्यात लेखिका और विश्वविद्यालय की आवासीय लेखिका डॉ. क्षमा कौल की कहानी ‘चित्र’ तथा हिंदी साहित्य विभाग के विद्यार्थी खुशाल सिंह की पुरस्कृत कहानी ‘चिड़िया’ का पाठ प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता



करते हुए कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि दोनों कहानियां मानवीयता को आवाज देती हैं। उन्होंने कहा कि साहित्य केवल समाज का दर्पण नहीं, वह संभावनाओं को दिखाता है। अंधेरे में रोशनी दिखाकर आगे की डगर दिखाता है। डॉ. क्षमा कौल एक परिपक्व कहानीकार हैं। उनका साहित्य आंदोलित करता है। ‘चित्र’ कहानी में विस्थापन का दर्द प्रकट होता है। खुशाल सिंह की कहानी ‘चिड़िया’ का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ‘चिड़िया’ में पाठकों का ज्ञान आकृष्ट करने की शक्ति है। वह उत्कंठा पैदा करती है। एक अच्छे कहानीकार बनने की संभावना खुशाल सिंह में है।

कार्यक्रम का प्रारंभ कुलगीत, सरस्वती के फोटो पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार ने किया। आभार ज्ञापन कुलसचिव क्रादर नवाज खान ने किया। कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने लेखिका डॉ. कौल का स्वागत विश्वविद्यालय का स्मृति चिन्ह एवं सूतमाला देकर किया तथा परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र गादेवार ने खुशाल सिंह का स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया। कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग सचिन बोळखे ने किया तथा सफलता हेतु कर्मी रामप्रवेश, अश्विन श्रीवास ने सहयोग दिया। इस अवसर पर हिंदी साहित्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. कोमल परदेसी, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मी, विद्यार्थी एवं शोधार्थियों की उपस्थिति रही।

‘चित्र’ आणि ‘चिड़िया’ या कथा मानवतेला आवाज देतात : प्रो. कुमुद शर्मा

निवासी लेखिका डॉ. क्षमा कौल यांची ‘चित्र’ व विद्यार्थी खुशाल सिंह यांची ‘चिड़िया’ कथांचे वाचन

वर्धा, 30 डिसेंबर 2025 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाच्या 29 व्या स्थापनोत्सवानिमित्त सोमवार, 29 डिसेंबर रोजी गालिब सभागृहात काश्मीरी व हिंदीतील प्रख्यात लेखिका तसेच विश्वविद्यालयाच्या निवासी लेखिका डॉ. क्षमा कौल यांची कथा ‘चित्र’ व हिंदी साहित्य विभागातील विद्यार्थी खुशाल सिंह यांची पुरस्कार प्राप्त कथा ‘चिड़िया’ यांचे वाचन करण्यात आले. कार्यक्रमाच्या अध्यक्ष म्हणून संबोधित करतांना कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा म्हणाल्या की दोन्ही कथा मानवतेला आवाज देणाऱ्या आहेत. साहित्य केवळ समाजाचा आरसा नसून ते शक्यता दाखवते, अंधारात प्रकाश देत पुढील वाट दाखवते. डॉ. क्षमा कौल या एक परिपक्व कथाकार असून त्यांचे साहित्य अंतर्मुख करणारे आहे. ‘चित्र’ या कथेत विस्थापनाचे दुःख प्रभावीपणे व्यक्त झाले आहे. खुशाल सिंह यांच्या ‘चिड़िया’ या कथेबाबत बोलताना त्या

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

 ज्ञान शांति मैत्री	महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) जनसंपर्क कार्यालय PUBLIC RELATIONS OFFICE	 आज़ादी का अमृत महोत्सव
---	--	--

म्हणाल्या की या कथेत वाचकांचे लक्ष वेधून घेण्याची ताकद आहे आणि ती उत्कंठा निर्माण करते. खुशाल सिंह यांच्यात एक चांगला कथाकार होण्याचे गुण आहेत.

कार्यक्रमाची सुरुवात कुलगीत, सरस्वतीच्या प्रतिमेला माल्यार्पण आणि दीप प्रज्ज्वलन करून झाली. कार्यक्रमाचे संचालन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार यांनी केले तर आभार कुलसचिव क्रादर नवाज खान यांनी मानले. कुलगुरु प्रो. कुमुद शर्मा यांनी लेखिका डॉ. क्षमा कौल यांचे विश्वविद्यालयाचे स्मृतिचिन्ह व सूत माळ देऊन स्वागत केले, तर परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र गादेवार यांनी खुशाल सिंह यांचे स्वागत केले. कार्यक्रमाचा समारोप राष्ट्रगीताने झाला. कार्यक्रमासाठी तांत्रिक सहकार्य सचिन बोळखे यांनी केले तर यशस्वी आयोजनासाठी कर्मचारी रामप्रवेश आणि अश्विन श्रीवास यांनी सहकार्य केले. या वेळी हिंदी साहित्य विभागाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. कोमल कुमार परदेसी, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे यांच्यासह मोठ्या संख्येने विद्यार्थी आणि शोधार्थी उपस्थित होते.